खेत्रसमास
पत्र
१

॥६०॥ श्रीगुरुवेनमः॥ नमिऊंण नमीनइं [illegible] जलसहित मेघ तेहवा गाजे ते मरधी वाणी जेहनी ते श्रीवर्द्धमान जिनमहि[illegible] पलसमाना मनुष्यक्षेत्र तु संक्षेपे समास बोल स्युं श्रीगुरुतणे उपदेसे १ प्रथम
जंबूदीपथी ते छेहलो सयंभूरमण समुद्र अवसानि [illegible] असंख्याता दीपसमुद्र तीर्छा लोकने विषे २ [illegible] समुद्र [illegible] बीजा ४ कुरुसनादे छजं

॥६०॥ श्रीगुरुवेनमः॥ नमिऊंण सजलजलहर नलसमणं वद्धमाणजिणवसहं समयं खित्तसमासं वुच्छामि गुरूवए
सेणं॥१॥ जंबूद्दीवाईया सयंभूरमणोयरावसाणाउ सव्वे विअसंखिज्जा दीवोदहिणो तिरियलोए॥२॥ पत्तेयरसा चत्तारि
सायरा तिन्निजंति उदगरसा अवसेसा समुद्दा उखुरसा जंति नायव्वा॥३॥ वारुणिवरखीरवरो घयवर लवणोय जंति भि
न्नरसा कालोय पुरकरोदहि सयंभूरमणोय उदगरसा॥४॥ लवणे कालसमुद्दे सयंभूरमणे य जंति मछाय अवसेसा
समुद्दा नजंति मछायमगराय॥५॥ उद्धारसागराणं अड्ढाइज्जाण जत्तिया समया दुगुणादुगुणपवित्थर दीवोदहि जंति
एवईया॥६॥ अड्ढाइज्जा दीवा दुन्नि समुद्दा य माणुसं खित्तं पणयालसयसहस्सा विखंभायाम उत्तणियं॥७॥ अभिंत
रउ दीवो दहीणपडिपुन्नचंदसंठाणो जंबूद्दीवो लखं विखंभायाम उत्तणियं॥८॥ विखंभवग्गदहगुण करणी वट्टस्स
परिरउ होई विखंभपायगुणिउ परिरउ तस्स गणियपयं॥९॥ वईरामईए क्कगईए परिखित्त अट्ठजोयणुच्चाए बारसअट्ठ
चउरो मूले मझेवरुंदाए॥१०॥ पंचेव धणुसयाइं विछिन्ना अद्धजोयणुछिद्धा वईयवणसंडाएण दसूणं दुजोयण
रुंदाए॥११॥ एएहिं परिखित्ता दीवसमुद्दा हवंति सव्वे वि चत्तारि दुवाराउण चउद्दिसिं जंबूदीवस्स॥१२॥ पल्लिउवमठि
ईया सुरगुणपरिवारिया महद्धीया एएसुंदारनामा वसंति देवा महिड्ढीया॥१३॥ चउजोयण विछिन्ना अट्ठेवय जोयणा
उंच्चिद्धा उसभवि कोसकोसं कुडाबाहल्लजंति सिं॥१४॥ पुव्वेण होई विजयं दाहिणउ होई विजयंतं अवरेणउ
जयंतं अवराईय उत्तरे पासे॥१५॥ अउणासीयं च सहस्सा बावन्ना चेव जोयणा जंति उणं च अद्धजोयण दारंतरं जंबू

सागरोपम अढीसागरोपमे उधारपल्य तेहने कहीइं जे समे समे एकेको अपहरीइं तिम करतो [illegible] तेतले उलखर्या [illegible] दसकोडाकोडि पल्योपम [illegible] उधारसागर थाए जेतलासमा [illegible] एकएक
थी बिमणा विस्तारे दीपसमुद्र छे एतला ६ अढाइदीप बेसमुद्र एतलु मनुष्यक्षेत्र पस्तालीस लाख योजन पुहुलपणे विस्तारे अनेलांबपणे कह्यो ७ विरकंभ ० क्षेत्रप्रमाण तिहनो वर्ग कीजे पछे [illegible] परधि [illegible]
माणला से तेहनुं करणी मुल काढे ते परधि तेपरधि विरकंभ पांउने चोथे भागे गुणा कीजे एतले तेक्षेत्रनो जोयण [illegible]॥ जेतलु जंबूदीपनि परिमाणछे तेहनी परधि त्रिगुणी झाझेरी थाए एतले जंबूदीपनी

णवा ३ महिरारु आ
नो समुद्र पधानह
धृतो धृतसमुद्र ज
वणसमुद्र होइए
आर सुरु वारस
मा कालोदधिसमु
द्रपाणी नो पुस्क
रसमुद्र सयंभूर
मणसमुद्र एत्रलि
समुद्र उदकरस
नो ४ लवणकालो
दधिसमुद्र सयंभू
रमणसमुद्र होइते
मेह्रनविषे घणाम
गरमछ बीजे थोड
तसमुद्रे नथीघणा
मछादिमगरादिप

परधि जाप ३ अनेर
२७ योज गाउ ३ अने ४
[illegible] २८ अनेअंगु
ल १३ जाझेरां थाए
एहनो विस्तारह [illegible]
बीजां एवो ८ अभिंत
[illegible] दीप
समुद्रनें संपूर्णपूरा
चंद्रमाने संठानि जं
बूदीप लाख योयन
[illegible]
[illegible] ९ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
१० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ११ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
समुद्र परिवार देवी सहि
त [illegible] नाम देवता
वसे देवता माहीं [illegible]
नाथली १३

[illegible] आरजोयन उझाली बारणाए २ आ [illegible] योयन [illegible] विकयासे [illegible] १४ पूर्वेल [illegible] पूर्वने पासे [illegible] विजय तपोलि दक्षिणने पासे विजयंत पोलि पश्चिमे जयंत पोलि अपराजयंति
पोलि उत्तरने पासे १५ [illegible] जंबूदीप १६ वासहर [illegible] वर्षधर [illegible] बीभां पूर्व

द्दीवस्स॥१६॥ वासहरपरिछिन्ना पुव्वावर लवणसागरं कुडिया वासासत्त इणमो वासहरा छव्व बोधव्वा॥१७॥ भरहं हे
मवयं तिय हरिवासं तिय महाविदेहं च रम्मय एरन्नवयं एरवयं चेव वासाइं॥१८॥ हिमवंत महाहिमवंत पव्वया निस
ढनीलवंताय रूप्पी सिहरी एए वासहरगिरि मुणियव्वा॥१९॥ जोयणसयमुच्छिद्धा कणगमया सिहरि चुल्लहिमवंत रू
प्पी महाहिमवंते दुसउच्चा रूप्पी कणगमया॥२०॥ चत्तारि जोयणसए उच्चिद्धा निसढनीलवंताय निसढो तवणिज्जम
उ वेरुलिय नीलवंतगिरि॥२१॥ जोयणसयमुच्छित्तं अवगाहो गाउएहिं तावईउ सिहरी हिमवंताणं सेसाण दुगुणाउ
गुणय रो॥२२॥ पुरकरवरदीव हु नामेण माणुसुत्तरो सैलो सत्तरसयएगवीसे समूसिउ पायमुच्छिउ गाढो॥२३॥ मूलेद
सबावीसा रुंदो मज्झंमि सत्ततेवीसा उवरि चत्तारिसय चउवीसे होई विछिन्नो॥२४॥ वेयढनगवरेणं पुव्वावरलवणसागर
गएणं न रहं दुहा विहत्तं दाहिण उत्तरढ मियसव्व॥२५॥ विखंभो भरहमज्झे दुन्निसए जोयणाण अडतीसे तिन्नि
य कलाउ अवरा एरवए होइ एमेव॥२६॥ भरहेरवयप्पभिई दुगुणा दुगुणाय होई विखंभो वासावासहराणं जाव
य वासं विदेहं च॥२७॥ पंचसए छव्वीसे छच्च कला वित्थडं भारहं वासं दससय बावन्नहिया बारसकलाउ हिमवंते॥२८॥
हेमवय पंचहिया एगवीससयाउ पंचकलाउ दसहिय बायालसया दसयकलाउ महाहिमेवि॥२९॥ हरिवासे ए
गवीसे छ लसीसयाइं कलाय इक्काय सोलसहस्स अडसय बायाला दोकला निसढे॥३०॥ तितिसं च सहस्सा छ
सयाइं जोयणाण चुलसिया चउरो कलासयला महाविदेहस्स विखंभो॥३१॥ पउमेय महापउमे तिगिंछि केसरि दहे चेव द

निषढपर्वत [illegible] १९ [illegible] नीलवंत पर्वत २१ [illegible] योयन १०० [illegible] १०० [illegible] सहरी हेमवंत पर्वत बीजा [illegible] विमण [illegible]
[illegible] २२ [illegible] पुरकर [illegible] द्वीपने विषे मानुषोत्तर पर्वत सतरसे एकवीस १७२१ योयन [illegible] १०२२ योयन [illegible] १०२३ [illegible]
[illegible] ४३० योयन [illegible] २४ [illegible] पूर्व [illegible] समुद्र [illegible] भरत [illegible] विरकंभ ० [illegible]

पश्चिम लवणस
मुद्र अडकाधे [illegible]
त्रसात आगलि क
हीस वर्षधर पर
वत छ जाणवा १७
भरहं ० भरतक्षेत्र
१ हेमवंतक्षेत्र २ ह
रिवासक्षेत्र ३ महा
विदेहक्षेत्र ४ रम्य
कवास क्षेत्र ५ एरण
वत क्षेत्र ६ एरवत
[illegible] क्षेत्र १८
हिमवंत ० हेमवंत
[illegible] महाहिमवंत
[illegible] नीलवंत
[illegible]
[illegible] वर्षधर पर्व
त जाणवा १९ [illegible]
[illegible] योयन १०० ऊंचा
सुवर्णमय सहरी
[illegible] हिमवंत पर्वत
२ रूपी [illegible]
[illegible]
स २०० ऊंचा रूपा
[illegible] सुवर्णमय २०
च्यारि ० ४०० योय
न ऊंचा निषढपर्व
त नीलवंत पर्वत

अर्हसरत २००
[illegible] योयन अने
[illegible] योयन अने २
कला [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] सरत [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
१०० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] हरिवास [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

निषढपर्वत ३७ तिगिसं० तेत्रीसमदिसि वसं योयन अनें चउरासी अनेंआरिकला माहाबदहपत्र पुंडरीक ३१ पत्रमेयं० पद्मद्रह १ माहापद्मद्रह २ तिगिछद्रह ३ केसरीद्रह ४ महापुं
डरीकद्रह ५ पुंडरीकद्रह ६ ३२ जोयण० योयनसहस्र १ दीर्घलांबपणे विक्रपासानां विक्रद्रह तेहथकी अर्द्धपहुलां हविबेबमाहिलाद्रह बिमणाबिमणाप्रमाणे ३३

खेत्रसमासू° पत्रं° २

रए महापुंडरिए पुंडरीएचेव दहाउ ॥३२॥ जोयणसहस्सदीहा बाहिरदहयातयद्धविछिन्ना दोदोअभिंतरिया दुगुणा
दुगुणंपमाणेणं ॥३३॥ सुद्दावरमेरुमुहे दुसुदरतिगंपि सदिसिदहमाणा असईनागपमाणं सतोरणं निग्गयं नईयं ॥३४॥
जामुत्तरदारउगं सेसेसुदहेसु ताणमेरुमुहा सदिसिदहसीयनागा तयद्धमाणायबाहिरिया ॥३५॥ पंचसयगंउनिय
गा वत्तणकूडाउ बुद्धिमुहं वलइ पणसयातेवीसेहिं साहीयतिकलाहिं सिहराउ ॥३६॥ दहदारविछराउ विछरपन्नास
भागकुडाउ जीहतो चउगुण दीहाउ सद्धजिझीउ ॥३७॥ जलुवरिकोसदुउच्चं दहविछरपणसयं सविछारं बाहिल्लवि
छरद्धं कमलं देवीणंमूलिल्लं ॥३८॥ मूलेकंदेनाले तेवयणरिठवेरुलीयरूवे जंबूणयमज्झतवणिज्जं बहिदलरत्तकेसर
यं ॥३९॥ कमलद्धपायपिढुच्च कणगमयकिन्नगोवरिसुवण्णं अद्धगकोसंपिढुदीह चउदसयचालधणुजव्वं ॥
॥४०॥ पविसदिसिविणुपणधणुं सेज्जढाइच्छपिढपसंवे दसतिगइहत्तवणे मज्झेदहदेवीसयणिज्जं ॥४१॥ एककोडीवी
सलखा पन्नासहस्सासयंसवीसं सव्वंकेइहपउमा एवंसेसेसु विदहेसु ॥४२॥ गंगासिंधुतदहरोहियंसा रोहियनईह
रिकंता हरिसलिला सीउया सतेयाउ निदाहिणउ ॥४३॥ सीयायनारिकंता नरकंताचेव रुप्पकूलाय सलिला सुवन्न
कूला रत्तवई रत्तउत्तराउ ॥४४॥ छजोयणसकोसं गंगासिंधुईण विछडोमूले दसगुणीउपछंते दुगुणादुगुणोयसे(सं)
साणं ॥४५॥ गंगासिंधुरत्ता रत्तवईचउनईउपत्तेया चउदससहस्सेहिंसमयं जुत्तंतिजलहमज्झंमि ॥४६॥ एवंअभिंतरीया
चउरो अडवीससहस्सेहिं पुणरविछप्पन्नेहिं सहस्सेहिंजंतिचउसलिला ॥४७॥ सीयासीयोयावीय बत्तीससहसपंच

एककोडी० एक कोडि बीसलाख प चाससहस्र एकसो वीस पद्मद्रहमांहे एकेकां कमल हु [illegible] तेणें प्रमाण [illegible] ४२ गंगा सिंधु [illegible] गंगानदी [illegible] तथा रोहितंसा [illegible] रोहितानदी [illegible] कंता [illegible] हरिसलिला [illegible] नदी [illegible] कीद [illegible] ४३ सीता० [illegible] नारिकंता [illegible] नाइ रूप्यकूलानदी सुवर्णकूला [illegible] ईद्र [illegible] [illegible] ४४ छजोयण० छजोय [illegible] नगाउ सहित

२

गंगासीधुनें मूलेपहुलो कोसबे एदशगुणीवाधे मेलतेलें द्रहमें योयन बे एविंकी बिमणी बिमणी सिंधुथाकनी बाकीजांएवी ४५ गंगा० गंगासिंधुरत्तारत्तवई ए च्यार ४ नदी पुत्येके १४ चउदसहस्र
१४००० पोहवती बाकीईस मुद्रमांहे ४६ एवं० एणेंपकारें अभितरनदी च्यार अठावीससहस्र २८००० वली ५६००० सहस्र च्यार कुनदी ४७ सीयो० सीता सीतोदा बत्रीससहस्र

पावलाख संवचउद लाख छपन्नसहस्र एनदी ४८ नोपरिवा रसर्वमिली १४५६ ००० ४८ हेम० हे मवंतक्षेत्र १ एरन्नवंत क्षेत्र २ हरि वासक्षेत्र ३ रमक वासक्षेत्र ४ रतनम य आकार टलाव ईताढ पर्वतपाला नआकार ४९ स द्दाव० सद्दावती विक टावती गंधावती ३ मालवंत ४ पर्वत योयनसहस्र उंच पणे हेठलि १००० गाउ विस्तार पहु लपणे १००० जोय न ५० चउ० वग्रंहे अधिको एकसो १४ योजन माने अनें अग्यारकाजा वैताढपर्वतनिकी दक्षिणजाती अनें लवणसमुद्रमि बीजउअर ५१

लखेहिं संजुचउदसलखा छप्पन्नसहस्समेलवीया ॥४८॥ हेमवए मेरुनवए हरिवासरम्मए य रण्णमया चत्तारिवट्ट
वेयड्ढा पल्लयाएछायसारिच्छा ॥४९॥ सद्दावई वियडावई गंधावईमालवंतपरियाय जोयणसहस्सउच्चा ता
वंयाचेव विछिन्ना ॥५०॥ चउदसहियंसयं जोयणाणिइक्कारसंवयकलाउ वेयड्ढा दाहिणेणं गंउलवणसउत्त
रेउ ॥५१॥ नवजोयणचिछिन्ना बारसदीहापुरिउअउति जंमुद्दलरहमज्झे एरवयद्धवीएमेवा ॥५२॥ पणवीसंउ
छिपो पन्नासंजोयणाणि विछिन्नो वेयढोरययमउ भरहखेत्तस्समज्झंमि ॥५३॥ मज्झेवेयड्ढस्सउ कणगम
याति न्निजंतिकूडाउ सेसापव्वयकूडा रयणमयाजंतिनायव्वा ॥५४॥ वेयढमालवंत विज्जुप्पह निसढ
नीलवंताय नवनवकूडा भणीया इक्कारससिहरीहेमवंते ॥५५॥ रुप्पीमहाहेमवंते सोमणसेगंधमायणनग
य अठअठसत्तसत्तय वखारगिरिसुचत्तारि ॥५६॥ वासहरकूडा छप्पन्न जंतिवखारकूडछन्नउई वेयढकू
डतिन्निय सयायछउत्तराइंच ॥५७॥ नंदणकूडानवव्वेव जंतिसव्वेविमेलियाकूडा चत्तारिसयसत्तसठा कू
डाणपन्नियासंखा ॥५८॥ विझुपहहरिकूडो हरिसहामालवंतवखारे नंदणवणबलकूडो उवत्तोजोयणस
हसं ॥५९॥ महसेसहसपिढुला रुंदामज्झेसुमंत्तपन्नासा उवरिंपंचसयाउण समकोसंवियहुत्ता ॥६०॥
वेयढाणुंकूडा सकोसंछजोयणुच्चमूलपिढुदेसूणपंचमज्झे उवरिंमूलद्धविछारा ॥६१॥ सेसनगाणंकूडा

नवं० नवजोयनपहुलपणे बारजोयन दीर्घपणे अंजोध्यानगरी तिम अर्द्धभरतनें मध्ये तिमेज ऐरवतनें अर्द्ध ऐरवतें ५२ पण० पंचवीसजोयन उंचपणे पंचा
स जोयनपहुलपणे वईताढपर्वत रूपानो भरतक्षेत्रनें मध्ये छे ५३ मज्झे० मध्यवईताढनें उपरि मध्य त्रीणकूट छे ते सोनानां छे बाकीना पर्वतनें उपरि कूट छे ते रत्नमय छे

जांणवा ५४ वेयढ० वेताढपर्वत १ माल वंत २ वजपहगजद तेउ निषढ ४ नीलवं त ५ नवनवकूटक हीया अनेंग्यार ११ कूट सहित हेमवं त २ ५५ रूपी ६ रू पीपर्वत माहाहेम वंतपर्वत २ सोमण स गंधमा [illegible] गजदंतापर्वत [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] च्यार १ कूट ५६ व [illegible] कूट ५६ [illegible] रीइं कूट [illegible] नाहिंकूट [illegible] एलेठ [illegible] ६० नंदनवनमा [illegible] कूट नव [illegible] मिलीन कूट च्यारसें न तसठि ४६७ कूट एतली संख्या ५८ विझु० विद्युत्प्रभ प र्वत उपरि हरिकूट ५ हरिसहा कूट मालवंतवरव

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

रिवषारपर्वतउपरि नंदनवनेबलकूटछे ए कूटकह्यातेसहस्रजोयनउंचाछे ५९
वेय० वेताढपर्वतनो कूटसवाछजोयणउंचपणे मूलिजाडाएतलाजमध्यदेसेउणापांचजोयण उपरिजाडपणेलन्त्रअर्द्ध ६१ ससंबीजापर्वतनाकूटउंचा

क्षेत्रसमास
पत्र
३

रयणमयापणसयउच्चमूलविच्छं उवरितयद्धविच्छन्ना मज्झेपणहत्तरितिसया ॥६२॥ छंन्नासजोयणाइं दीह
उअद्धजोयणुच्चाउ बारसविछिन्नाउ वेयढगुहाउदोकुंति ॥६३॥ पुव्वावरकुलविंता दसुच्चदसविछिन्नमेहलाउ
चउक्का पणवीसुच्चाएन्नास तीसदसजोयणंविछला ॥६४॥ दादाहिणउत्तरउ सेढीउजोयणाणा दसण्हइउ द
सजोयणविछलाउ गिरिवरसमदीहलाउ ॥६५॥ विज्जाहरनगराइं पन्नासदाहिणायसेढीउ जणवयप
रिगयाइं सट्ठीपुणउत्तरल्लाए ॥६६॥ उत्तरह्लरहमज्झे उसहक्कूडोपव्वउव्वट्ठो अट्ठजोयणउच्चो अट्ठवेहोइ मूल
लविच्छो ॥६७॥ गंगाकुंडसअवरेणं सिंधुकुंडसहोइपुव्वेणं वासहरनितंबे होइकुंडवणउरम्मो ॥६८॥ पणवीस
इगारबारसेव मूलेयमज्झउवरिंच सविसेसपरिहुउ • कुंडसइमसबोधव्वो ॥६९॥ गाउयमुच्चापलिउवमाउणो
वज्जरिसहसंघयणा हेमवएरन्नवए अहमिंदनराभिजुणवासी ॥७०॥ चउसट्ठीपिट्ठकरंडयाणं मणुया
णंतेसिमाहारो लत्तस्सचउत्थसय अउणासीदिणणुपालणया ॥७१॥ हरिवासरम्मएसु आउपमाणसरी
रमुसेहो पलिउवमाणिदुन्निय दुन्नियकोसुसीयालणिया ॥७२॥ छट्ठसयआहारो चउसट्ठीदिणाणुपालणाते
सिं पिट्ठकरंडाणुमयं अट्ठावीसंमुणेयव्वं ॥७३॥ दोसुविकुरुसमणुया तिपल्लपरमाउणोतिकोसुच्चा पिट्ठकरंडसया
यं दोछप्पन्नाइंमणुयाणं ॥७४॥ सुसुमसुसमाणुभावं अणुहवमणुयाणंअवच्चगोवणाया अउणापन्नदिणाइं अ

णि श्रेणि १ जोयनदसउंची दसजोयनपुहुली वईताढपर्वतजेतलेतावपणे ६५ विजाणिविद्याधरनांनगरछे पंचासनगरदक्षिणदिसिनीश्रेणिजनपतिदेससहित अनेसाठनगरे
वलीउत्तरनीश्रेणिछे ६६ उत्त० उत्तरार्द्धभरतक्षेत्रनेमध्यछे ऋषभकूटनानोपर्वत आठजोयनउंचो आठजोयनहाइमलेपोहोलोछे ६७ गंगा० गंगानदीनोकूटथकीपश्चिमे सिंधुनदीना

जोयणपांचसेउंचे मूलिजाडापांचसेजो यणउपरि अढीसे जोयणजाडा मध्य पौणउजोयणजाडा तेकूटसर्वरत्नमय छे ६२ पन्नाणपुव्वा सजोयनलांवपणे आठजोयनउंची १२ बारजोयनपुहुली वइताढपर्वत तेनीगुफाछे ६३ गु फाउछे ६२

दादाहिणएकवईता
हितउत्तरश्रेणि १दपि

कूटनीपूर्वेनीपा सेजाणवो कुंडछे मवंतनेकुंडछे नेमोनमोछे ६८ प ०० मूलेपहिलोजो यनरप अनेमध्यजो यन१२ उपरिजोय न१२ जाडोपीतहि ७ कमल ऋषभ अधिकार जाणवो ६९ गाउ० एकगा नुंवपणे [illegible] पगउ [illegible] कायसनां [illegible] आणनावि [illegible] वंतक्षेत्रहरण्य क्षेत्र१ अहमिंद रायुगलीयानोवा स७० चउ० चउसठी पांसलीयांनेचासठिपु ष्ठकरंडकहिताँ पां सलीकहीइ

३

ट्ठमभत्तस्सआहारो ॥७५॥ मणुयाइसमग्गाइ हयाईसचउरंसजाई अट्ठंसा गोमहिसउट्ठखराई पणंससाणाईदस
मंसा ॥७६॥ पंचसुत्तरहेरवएसु तहविदेहेसुपुव्वदससंखा तणीयाउकम्मभूमी तीसाउणभोगभूमीउ ॥७७॥ हे
मवयहरिवासं देवकुरुतहयउत्तरकुरुनामा रम्मएरन्नवयं एयाउभोगभूमीउ ॥७८॥ आउठिइपरिमाणं तो
गोभिक्कणाणजारिसोलवइ तंसव्वंसखेवं लणंमिनिसुणेहएगमणा ॥७९॥ नाणाविहरयणाइं लभिक
प्पडमेसुयसन्निहा भिज्जणकयाविवासा निच्चुज्जोयामणो निरम्मा ॥८०॥ गिहिजोवसहसणंगा चित्त
रसालोयणतहेववल्लंगा मत्तंगाउडियंगा कुसुमंगादीवियंगाय ॥८१॥ वज्जरयणविनीमीया लवणउमा
अट्ठत्तमीयादिवा सयणासणसन्निहिया तेणंचियनिदाहरविसरिसा ॥८२॥ जोईउमाणउवरिं ससास
रजुह्वक्खमाणावि तेणपहावापदीया नीयवंझायंविझुवंति ॥८३॥ वरहारकणयकुंडल मउडालंकारनेउ
रायणि नियवंपिसणाइं आत्तरणडुमेसुजायंति ॥८४॥ अट्ठसयखज्जगजुत्तं चउसट्ठितहयवंजण
वियप्पो उपज्जइआहारो लोयणरुक्केसुरसकलिउ ॥८५॥ सिंगारघालवट्टय कच्चोलयवद्धमाणमाइणि
कंचणरयणमयाइं जायंतिलोयणंगेसु ॥८६॥ खोमडुगल्लयवालय चीणसुयपट्टमाइयाइंचु वत्था
यंवक्कविहाय वत्थंगडुमापमाणंति ॥८७॥ सरससुगंधमणोहर विसुद्धबलवीरियकंतिवयह्न ॥

मत्तरसंगाउमेसु उपच्छई विविहमच्छरसो॥८८॥सज्जलयणगुहिरकलिव चउत्तेयवित्तत्रपवरआउज्जं जुयलम्मि नराणं उड्डिंगउमापमाणं ति॥८९॥वरवउलतिलयचंपग असोगपुन्नागनागमाईणि कुसुमइं बहुविहाइं कुसुमंगउमा पमाणंति॥९०॥ससिसूरसरिसतेया निच्चं चिय उगऊगंति बहुविडवा विविहायदीवीयंगा नासंति तमंधयारंमि॥९१॥एयारिसेसु तोगलमासु जुंजंति उघमिज्जणाइं सव्वंगसुंदराइं वुडीयनेव्हाणुरागाइं॥९२॥न विपछिवा न रिव्वा न यषुज्जा नेय वामणा पंगु न य कुंगा वहिरंधा न य दुखीया नेय दारिद्दा॥९३॥समचउरंससंठाणा विलिपलियविवज्जियाय निरोगा चउसठीलषणधरा मणुया देवाइव सरूवा॥९४॥ताणं चियमहिलाउ विहसियवरकमलपत्तनयणाउ सव्वंगसुंदरियो कामयससिवयणसोहाउ॥९५॥भुंजंति विसयसुरकं उक्करिसा तउ सोगलमीसु कालं चिय अईदीहं तं दाणफलं भुणीयव्वं॥९६॥मज्झमहाविदेहस्स मंदरो तस्स दाहिणुत्तरउ चंदद्धसंठियाउ दोदेवकुरु उत्तरकुराउ॥९७॥पुव्वावरआयामो रुंदउ जंति दाहिणुत्तरउ गयदंतसंठीएहिं वखारगिरिगुरुंताउ॥९८॥इक्कारससहस्सजोयण अडसयबायालउकलाविरवंभो तेवन्नसहिस्सजीवा गयदंतागारगिरिजुत्ता॥९९॥विज्जुप्पहसोमणसा देवकुराएपडिणपुव्वेण इयारियगंधमायण एवं चिय मालवंताय॥१००॥

वखारपव्वयाणं आयामो तीसजोयणसहस्सा दुन्निसया नवहिया छक्कलाउ वत्तएणं पि॥१०१॥वखारगिरितेणं रुंदा पंचेव जोयणसयाइं चत्तारिसयउव्विधा उगाढा जोयणाणसयं॥१०२॥पंचसयउव्विधा उगाढा पंचगाउयसयाइं अंगुलअसंखभागो विच्छिन्ना मंदरंतेणं॥१०३॥गिरिगंधमायणो पीउ नीलो य मालवंतगिरि सोमणसो रययमउ विज्जुप्पहो अ तवणिज्जो॥१०४॥देवकुराएगिरिणो विचित्तकूडो य चित्तकूडो या दोजमगपव्वया वुडंसिया उत्तरकुराए॥१०५॥एगसहस्समुच्चा हरिकूडसमपमाणउ जंति सीयासीउयाणं उभउ कूलेसु णेयव्वा॥१०६॥सीयासीउयाणं बहुमज्झे पंच रहयाउ उत्तरदाहिणदीहा पुव्वावरवित्थडा इणमो॥१०७॥अउसय चोतिसजोयणाइं तहसेगसत्तभागाउ इक्कारसकलाउ गिरिजमलद्दहाण मंतरयं॥१०८॥पढमित्थ नीलवंतो उत्तरकुरुदहो यचंदएरावईदहो चिय पंचमो मालवंतो य॥१०९॥निसहदहदेवकुरुसूरेसुलसे यतहेव विज्जुप्पहे पउमदहसरिसगया दहसरनामा उदेवत्ति॥११०॥दसजोयण अंतरिया पुव्वेणवरेणचेव दहरयाणं दसदसयकंचणगिरि दुन्निसया जंति सव्वेवि॥१११॥जोयणसयमुव्विधा सयमेगं तेसिं हि लविरवंभो पणासजोयणउवरिं तलेपणसयरिजोयणंमज्झे॥११२॥मूलंमि तिन्नसोले सत्ततीसा

दुंडुत्तियमझंमि अठावन्नंचसयं उवरिंतलेपरित्तुहोइ॥१३॥पुवेणगंधमायण नगस्स अवरेणमालवंतस्स मेरुगिरिस्स
त्तरउ दाहिणेणंनीलवंतस्स॥१४॥उत्तरकुरुउबद्धे सीयाएमाझा नईएपुवेणं जंबूणयमयंतं जंबूपेढंतीहिरम्मं॥१
५॥ आयामोविखंभो तस्सयपंचेवजोयणसयाइं पंन्नरसेक्कासीयाइं परिउतस्सविसेसो॥१६॥बारसउजो
यणाइं बाहल्लंहोइतस्समझंमि परिहायंतकमासो सव्वेसंतेसंदोकोसा॥१७॥पउमवरवेईयाए उगाउउच्चाएतंप
रिखितं तेसंठवेइयाए पंचधणुसयाइविखंभो॥१८॥ वत्तारिडवाराइं चउदिसंतस्सजंतिपेढस्स माणाविहिनाइं
उगाउउच्चंजंतिउच्चाइं॥१९॥सछत्तसझयाइं सपडागायंसतोरणवराइं उठिइंवणमालाइं सुरत्तिसुकयमछदा
माइं॥२०॥सव्वरयणमएहिं उत्तउसुकएहिंउन्नकउसेहिं सोहंतचारुनरिएहिं तेहिंउत्तमपिहुपीहिं॥२१॥
चउजोयणमुच्चिद्धा चउरंगा अढजोयणायामा पेढसउवरिं छकइमणिपेढियारम्मा॥२२॥मणिपेढिया
एतासंउवरिंमझंमिसापवरंजंबू बारसहिवईयाहिं समंतउसंपरिखित्ता॥२३॥तासंववेईयाणं उच्चत्तं अ
ढजोयणंहोई पंचेवधणुसयाइं विखंभोहोइसव्वेसिं॥२४॥तीसेवरजंबूए वरवयरमयाइंहुंतिमूलाइं कं
दोयंअरिठमउं वरवेरुलीयामउखंधो॥२५॥सोवन्नीयायसाला साहपसाहायजंबूणयमया रययणमाया
यविडिमा विरायंतिदिसोदिसाइं॥२६॥पत्तावेरुलीयमया तवणिज्जमयाइंपतबिंटाइ जंबूयरत्तजंबू

रयणमयापल्लवाविमला॥२७॥अग्गपवालरयणमयाउ सुकुमालवेल्लगाअहियं नाणारयणमयायं
पुप्फफलाइंवसुरसीणं॥२८॥तीसेवरजंबूए उच्चत्तंजोयणाइंअठेव अठेवयविखंभो जोयणमद्धंचउवे
हो॥२९॥दोजोयणाइंखंधो उव्विधोअठजोयणंकंदो छजोयणाइविडिमा तेसंअहियंविरायंति॥३०॥
चउसुविदिसासुतीसे सालाचत्तारितेसुनवणाइं सव्वरयणमयाइं कोसायामाइसब्भाइं॥३१॥कोसद्धवि
च्छडाइं कोसंदेसूणगंचउच्चाणं उबुतरेसुभवणे सयणिजंसामणदिवं॥३२॥सेसेसुसीहासणाइं तव
णेसुजंतिदिवाइं अठरयणिमउसुरम रत्तंसुयसबज्जंगाइं॥३३॥पलिउवमठिइजे तहिंदेवोअणाढिउ
नामा जंबूदीवाहिवई अमरपज्जपईसछिहिउ॥३४॥सोसव्वउसमंता अंन्नेणअठसएजंबू परिवारिया
विरायईतत्तोअद्धपमाणाहिं॥३५॥सुदरिसणविसाला जंमोहराचेवसुपडिबधाय सोमणसायसवद्धा
सोमणसुसोहासुजायाय॥३६॥नीयायविदेहा निवंधडियाचेवएवमेयाइं सुंदरिसणाएजंबू जंति
दसदोयनामायं॥३७॥लोगस्सनाभिभूत नवनविसहस्सजोयणुच्चिद्धो मेरुगिरिरयणमउ अवगाढो
जोयणसहस्सं॥३८॥दसइक्कारसभागा नऊयातहदसजोयसहस्सा मूलेविखंभोस धरणियलेदसस
हस्साथं॥३९॥जोयणसहस्समुवरिं हलेइमातीसजोयणसहस्सा नवसयदसहियतिन्निय इक्कारसभाग

खेत्रसमास० पत्र ६

परिहिसे ॥१४०॥ धरणियलेइगतीसा तेवीसा छसयाय परिहीसे उवरिंतिन्निसहस्सा बासट्ठिजोयणसयं
च ॥१४१॥ कंडतिगंमेकमसो पुढवीवलवयरसक्करबहुलं फलिहंककणयरूवग रयणमयंबहुकंचणमयं
च ॥१४२॥ कंडोसहस्समेगं पंचसयाहोइ मेहलापढमा बासट्ठिसहस्साइं पंचसयामेहलाबीया ॥१४३॥ छत्ती
संचसहस्सा तइयाएमेहलाएनिद्दिट्ठं एवंमेरुपमाणं नणियंकमसोमहणेहिं ॥१४४॥ मेरुस्सउवरिंखुल्लो
डिणनवणविनूसीयाउ विखुद्धा बारसअट्ठचउरो मूलेमज्झेवरुंदाए ॥१४५॥ एवंसव्वग्गेणं समूसीओमेरुलक्ख
मइरित्तं गोपुच्छसंठाणं संठिएयं चत्तारियवणाइं ॥१४६॥ बावीससहस्सायं पुव्वावरमेरुलद्दसालवणं अट्ठा
इज्जसयाइंपुण दाहिणपासंमिउत्तरउं ॥१४७॥ समाएसहस्साउं मेहलजुयलंमि डन्निरम्माये नंदणवणसो
मणसाइं पंडगपरिमंडियं सिहरा ॥१४८॥ पंचेवजोयणसए उट्ठंगंतूणपंचसएपिहुलं नंदणावणंसुमेरु जंप
रिखित्ताठियंरम्मं ॥१४९॥ बासट्ठिसहस्साइं पंचेवसयाइंनंदणवणाउ उट्ठंगंतूणवणं सोमणसंनंदणसा
रिछं ॥१५०॥ सोमणसाउतीसंच छच्चसहस्सेहिंलंघिऊणगिरि विमलजलकुंडगहणं होइवणंपंडगंसिहरे
॥१५१॥ पंडगवणंमिचउरो सिलासुचउसुविदिसासुचूलाए चउजोयणूसीयाउ पंहसिउकंचणमयाउ
॥१५२॥ पंचसएआयामा मज्झेदीहत्तणद्धरुंदाउ चंदद्धसंठियाउ रत्तसिलातवणिज्जमयाउ ॥१५३॥ एगापंडु

६

कंबलसिलत्ति अइपंडुकंबला बीया रत्तायरत्तकंबल सिलाउजुयलंवरम्मयले ॥१५४॥ पुव्वावरसुदो
दो सिलासुसिंघासणाइंसुरम्माइं जम्माइंउत्तराइए सिलाएइक्किक्कियंनाणियं ॥१५५॥ सीयासीओयाणं
उत्तरकूलेसुदाहिणवरिंदा पंडुसिलरत्तकंबला सिलासुसिंघासणवरेसु ॥१५६॥ अइपंडुकंबलाए अ
इरत्ताएअवालसावंमि नरवरवइजिणंदा अभिसिंचिंतिसुरिंदेहिं ॥१५७॥ पुव्वविदेहमेरुस्सए पुव्वउ
सीयानईयपरिछिन्नं अवरेणंवरविदेहिं सीओयाएअपरिछिन्नं ॥१५८॥ सीयासीओयाणं वासहराणं
चमज्झयारंमि विजयावखारगिरि अंतरनईवणमुहाचउरो ॥१५९॥ पंचसएबाणउए सोलससहस्सदोक
लाउय विजयावखारगिरि अंतरनईवणमुहायामो ॥१६०॥ विजयाणविक्खंभो बीससयाइंपउण
तेरसहियाइं पंचसएवक्खारा पणवीससयंचेवसालिलाउ ॥१६१॥ अउणतीससयाइं तेवीसहियाइंवणमु
हादोवि बावीससहस्साइं सहसालवनइदसयमेरुंमी ॥१६२॥ चउपन्नसहस्साइं मेरुवणंचउसहिमयागि
रिणो वणमुहअडवन्नसया आयालहियमुणेयव्वा ॥१६३॥ चउहियचत्तारिसया पणतीसंसहस्स
विजयविक्खंभो नईसत्तधणुसयाइं सव्वसमासोहवइलक्खो ॥१६४॥ चित्तेयबंभकूडे नलिणीकूडेय
एगसेलेय तिउडेवेसमणेविय अंजणमायंजणेचेव ॥१६५॥ अंकावइपम्हावइ आसीविसेतहसुहा
वहेचंदे सूरेनागेदेवे सोलसवक्खारगिरिनामा ॥१६६॥ गाहावइदहवइ वेगवइतत्तमत्तमत्ता खी

रोअसेयसोया तहअंतोवाहिणीचेव ॥१६७॥ उमीमालिणीगंभीरमालणीफेणमालणीतहचेव एया
उकुंडप्पवहा उवहोजोयणेदसउ ॥१६८॥ विजयाविसय बत्तीसं आसन्नंमालवंतसेलस्स काउणा
हिंपयाहीणं इमाणि नामाणि अणुक्कमसो ॥१६९॥ कच्छसुकच्छमहाकच्छ एयकच्छावईचउत्थित्थ
आवत्तोमंगलावत्तो पुक्खलोपुक्खलावईय ॥१७०॥ वच्छसुवच्छोयमहा वच्छोवच्छावईविय रम्म
एरम्मएविय रमणिज्जेमंगलावईय ॥१७१॥ पम्हसुपम्हमहापम्हा एयपम्हावईयचउत्थित्थ संखेन
लिणिकुमए निलणावईअठमेसलिणए ॥१७२॥ वप्पसुवप्पमहावप्प एयवप्पावईयचउत्थित्थ वग्गु
सुवग्गुगंधिल गंधलावईअठमेसलिणिए ॥१७३॥ नवजोयणविच्छिन्नाउ बारसदीहाउपवरनयरीउ अ
हविजयाणमज्झे इमेहिंनामेहिंनायव्वा ॥१७४॥ खेमाखेमपुरावीय अरिठरिठवईनायव्वा खा
ग्गीमंजुसाविय उसहपुरीपुंडरिंगिणीया ॥१७५॥ सुसीमाकुंडलाचेव अवराईयपहंकरा अंकाव
ईपम्हावई सुभा रयणसंचया ॥१७६॥ आसपुरासीहपुरा महापुरीचेवहोइविजयपुरा अवराईय
अवरा असोगतहवीतसोकाय ॥१७७॥ विजयाविजयंतीय जयंती अवराइया चक्कपुराखग्गपुरा
लहवइ अवज्झा अउज्झाय ॥१७८॥ चउचउतीसंचजिणा जहन्नमुक्कोसउयकं
तिकम्मेण हरिचक्किबलाचउरा तीसंपत्तेयंमिहादीवो ॥१७९॥ सीयायउत्तरेसु सीउयाएयजम्मवि

जाणसु गंगासिंधूनईउ ईयरेसुरत्तरत्तवई ॥१८०॥ अविरहियंजिणवर चक्कवट्टी बलदेववासुदे
वेहिं एयंमहाविदेहं बत्तीसं विजयपविभत्तं ॥१८१॥ मणुयाणंपुव्वकोडी आउपंचेवयधणुस
सयाइं दुसमसुसमाणुभावं अणुहवईनरा नीययंकालं ॥१८२॥ दोचंदा दोसूरा नक्खत्ता खलु
हवंतिछप्पन्ना छावत्तरिगहसयं जंबुद्दीवे विहारीणं ॥१८३॥ एगंचसयसहस्सं तेत्तीसंखलुभवे
सहस्साइं नवसयापन्नासा तारागणकोडीकोडीणं ॥१८४॥ दुलयचउरोबारस्स बायालीसावि
सत्तरीचेव एगंतरदीवोदहीणं चंदासूरामुणेयव्वा ॥१८५॥ सयंभूपुरिमंताउ अवरंतोजावरज्ज
माणंतु एएणरज्जुमाणेणं लोगोचउदसरज्जु ॥१८६॥ परिहीतिलक्खसोल सहस्सदोसयासत्तवी
सहिया कोसतिगमठवीसं धणूसतेरंगुलद्धहियं ॥१८७॥ पणयालीसंलक्खा सीमंतोयमाणुसं
उम्हसिवंच अपईठाणोसव्वठसिद्धि जंबुद्दीवो इमोलक्खं ॥१८८॥ एगाजोयणकोडी लक्खाबाया
लतीसयसहस्सा दुन्निसएएगुणवन्नहिया समयखेत्तस्सपरिरउ ॥१८९॥ सत्तेवयकोडीउ न
उयाबयपन्नसयसहस्सा चउणउइंचसहस्सा सयं दिवड्ढंचगणियपयं ॥१९०॥ इतिश्रीजंबूदीप
अधिकारसंपूर्ण ॥ दोसयसहस्सजोयण लवणोदहिचक्कवालविक्खंभो जोयणदससयमुहो
सोलससहस्सोसवेउहो ॥१॥ दगमालदससहस्सा जोयणविच्छिन्नतिट्ठगोविरहे पंचाणवईप
एसं सोलसउट्ठोअहेणगो ॥२॥ चउदिसिंचउपायाला जोयणसयसहस्समप्पसेदीए तिरियम

खेत्रस०
८

हदससहस्सा मुहविछीनेचउएंपि ३ जोयणसहस्सकुडा विदिसिमिंगसहस्सअट्ठसयचुलसी
जोयणसहस्ससवे तिरियमहेकुंभदसजोयणउ ४ लरकंचमज्झिपिडुला जोयणलरकंचऊमिमो
गाढा पुव्वाईसुवडवामुह केजूवेजूवसरिसीहणा ५ कालोयमहाकालो विलंबपसंजणोयचव
उपसुरा पलिउवमाऊणोतव सेससुसुरातयहाउ ६ सवेसमहोभागे वाउमज्झिठियमिजलवा
क केवलजलमुवरिंते नागुपातेसा सुनि ७ बहवेबायरवाया मुछंतिरवुभंतिउलिवाएउ
एगअहोरत्ततो तयातया वलपरिवुढी ८ लवणजलोदहियं पमाणसवंगउदमहसवे जोयणस
तरसहस्सा परिरउ तूमिवुछामि ९ पनरससयससहस्सा एकासीसहस्समेगसयऊणं जगईव
उदाराई जंबूजगईयपमाणाए १० वेईवणजहपढमे तहसवेदीवउदहिपरियंते विजयाई
दारचउदिसि दारेहारविरहं वुछं ११ तिन्नेवसयसहस्सा पंचाणुउसहस्सउन्निसयअसी
एकोसंचदारंदारेय अंतरंन दिठजिणवयणे १२ चउचंदाचउसूरा बारसुत्तरसयनरकत्त
जायंति तिन्निसया बावन्ना महग्गहा चारलवणंमि १३ दोलरकसत्तसठी सहस्सनवसयसवंति
तारगणा कोडाकोडीताणया चत्तारियचंदपरिवारो १४ वेलंधरयदेवा नागकुमारायमज्झबाहि
रियं अग्गोदयंधरंतो बायालसहस्सबेसयरी १५ सठीसहस्सकमसो वेलंधरपंवगायदिसि
चउरो बायालसहस्सजोयण लवणोदहिगाहिएतहा १६ सत्तरसएतेवीसे समूसिऊपायंतस्स

८

उवेहो विरकंभोमूलंमे दससयबावीसमज्झयरो १७ सत्तसएतेवीसे चत्तारिसयेयपरिरउ तिन्नि
वे जोयणसहस्सतिन्निय उसएछत्तीसदेसूणे १८ उन्निसहस्सदोसय छलसीदेसूणमज्झयारिं
मि उवरेगसहस्सजोयण तिसयएगतालदेसूणं १९ चउसुविएयपमाणं कणगमउअंकरयय
फालियमउ अणुवेलंधरचउरो विदिसाएतहरयणमंया २० अथवेलंधरनामा॥ गोथूभेद
गभासे संखदगासीमनामदिसिसेले गोथूभोसिवदेवा संखोयमणोसिलोसया २१ अणुवेलंधरना
म॥ककोडविज्जुप्पभ केलासरुणप्पहेविदिसिसेले ककोडकद्दमउ केलासरुणप्पहासामि २२
नवगुणहत्तरिजोयण बज्झउद्धवरिंपणनवईलाया पएमज्झनवमूय तेसठालागसगासयरी
२३ जोयणतिसएवितउ मयसयवुडीयबसुचउक्केसु अनुक्कजगईअंतर अंतरसमविव्वरगस
ठे २४ हेमवयसिंहरंमवि अडवीसंस वेकुंतिछप्पन्ना एएसुजुयलरूवा पलीयासंखसआउन
रा २५ जोयणदसमंसतणू पिठकरंडाणमेसंचउसठी असणंचचउत्थाउ गुणसीदिणंवच्चपाल
णया २६ पढमचउक्कंचबहि अढाईयजोयणेयवीसंसा संरिसवुदीपरिरउ मज्झिदिसिंस
विकोसदुगं २७ सुठीयलवणाहिवई गोयमदीवस्सवासंतेसिंपि बारसजोयणगंझलवण
स्सपछिमाउ २८ तावईयं विरकंभो मज्झावीससहस्सनवयअडयाले साहियपरिरउतेसिंउ
हउलंताउतंवुछं २९ अठासीअहजोयण चत्तालीभायलागपंचणउयाइं लवणंदिसालागं

+चत+

य+
+हस्स+

वुच्छं दोगाउ उदजलयाउ ३० वेईवणपरिमंडिय तिहं मज्झे लवणउ तेसिं लवणे चंदा सूरा
य दिवातिहिं पुव्वपच्छिमीया ३१ बारसहस्सजोयण गंतू लवणस्सपरिमाणं दीवाणं उदहीए
उदहीचंदा दिवोदहीए ३२ चंदेदीवा पुव्वे सूरीयदीवा परिणस्सवेसिं एवं जावसयंभूरए तणियाजि
णवद्धमाणेणं ३३ जंबूदीवो लवणे धायईकालोय पुक्खरे वरूणा खीरघयखोयनंदी अरूणवय
कुंडलेरूयगे ३४ आभरणवत्थगंध उप्पल तिलए य पुढवि निहिरयणे वासहरदहनईउ विज
यावक्खारकप्पिंदा ३५ कुरुमंदरआवासा कूडानक्खत्तचंदसूराय देवनागजक्खे भूएयसयंभू
रमणेय ३६ उसियजललवणोहि नापच्छडनेव अवहूजजोहं खुसियजलवेक्खसमं पच्छडसेसउ
दहीए ३७ लवणजलोहियवासइ बाहिरउदहीणदीवनकुवासइ मच्छायानकूडघइ तिव्वय
राइयसावेणं ३८ इति लवणाधिकार॥ धायइविज्जयागारे चउसयसहस्सवलयविक्खंभो एग
तालसयसहस्स दससहस्सा नवसयजोयणाणं १ एगसठिजोयणाणं किंचिविऊणेयपरिहीउ
दारंतरदसलक्खा सगवीससहस्ससत्तसया २ पणतीसं चतिगाउ धायईमहधायइ चेवरुक्खवर
दो वि जंबूदीवे रुक्खसमावन्ने दो उसुयारा जो मुत्तरउ ३ वासहरा वक्खारा पमाणविक्खंभ उद
तहचेव मेरूपन्नासीजोयण दोन्नि वि अवसेसजत्तपढमे ४ नईकुंडदीववणमुह दहदीवह
रसेलकमलविक्खारा नईउदंतं चतहा दहदीहत्तं चउगउणा ५ चउवीसं ससीरविणो नक्खत्तस

य तिन्निकुं तिछत्तीसा एगं च गहसहस्सा छप्पन्नं धायईसंडे ६ अट्ठेव सयसहस्सा तिन्निसहस्सा
यं सत्तसयाइं धायईसंडेदीवे तारागणकोडीकोडीणं ७ इति धातकीखंड अधिकार॥ कालोयणं
समुद्दं लक्खइं जोयणाणि विक्खंभो एकाणवई लक्खा सत्तरिसहस्सा छसयपंचहिया १ विज
याईदारंतरं बावीसं लक्ख बाणउसहस्सा छच्चसया बायाला गाउतीयसाहीदारस्सउ २ परिर
उदारंतरउ काल महाकाल पलियठिई तेसिं पियचंदाई पंचनणिहामि ३ बायालीसं चंदा बा
यालीसं च दिणयरा दित्ता गहपुण तिन्निसहस्सा छ[illegible] सयछन्नूय कालोये ४ नक्खत्तसहस्सं
गं एगसयछ[illegible]तरिय बोधव्वा अडवीससयसहस्सा बारसहस्सा नवसया य पुणो ५ पन्नास
कोडिकोडी तारागण पुक्खरस्स परिमाणं विक्खंभायामपरिही लणेमि सव्वे विगिरिमाई ६ कालो
उ सव्वत्थ वि सहस्सउंडो वेलविरहीउ तत्थ सुठियस्स मकाल महाकालसुरा पुव्वपच्छिमउ ७ लव
णमिव उहस्सनव उत्तिर विदीवा इहं पिनायव्वा नवरं समंतउ ते कोसद्धसुव्वा जलस्सुवरिं ८
इति कालोदधिसंपूर्ण॥ अडसयसहस्स वित्थर जम्मंतर दो वि उसुयारगिरि पुव्वद्ध अवरद्ध
वउ दाहिणवउत्तरद्धि तासिं १ कोडी बायालीसा तीसं उण्हाविसा अउणं च ला पुक्खरअद्धपरि
रउ एवं से माणुसखेत्तस्स २ पउमेय महापउमे दो वि हु माणं जंबूरुक्खतुल्लाइं दो दो वासहरा
इं पमाण सव्वे जहाय ढमे ३ उदमहे वित्थरंउ अडयाललक्खसहस्स बावीसा अणोत्तर चउसय

४कलोदगते
मिपियाघ४

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

या दारंतरपुरकरवरस्स ४ बावत्तरिंचंदाइं बावत्तरिसूरपुरकरद्धंमि [illegible]तिसया
छत्तीसा कुंति गहवरा ५ दोसहस्सा सोलहिया नखत्ततारागणपरिमाणं अडयालसयसह
स्सा ऽविसहस्साय ऽन्निसया ६ एएकोडाकोडी समयखेत्तस्स लरकपणयालं विखंभापरि
खेवो तहपरिरउपुरकरद्धंमि ७ एयंमणुयखेत्तं परिरउमणुसुत्तरोनगोयवरो उडमह[illegible]
णिउ विखंभापरिरउसाणेसु ८ अंतोगिरिपरिहीए कोडीबायालतीसयसहस्सा दोणयगु
णवन्नसए जोयणजिणभासणोदिठो ९ बाहिंजोयणकोडी बायालंलरकसहस्सछत्तीसा
सत्तसया चउउत्तर मज्झेणकोडीबायाला १० चउतीससहस्सा अडसय तेवीसापरिरउमणुत्त
रगउवरिंगिपरिखेवा कोडेगोबायाललरवाय ११ बत्तीससहस्साइं नवसयबत्तीसापरिखेवतं
मिं एयंखेत्तपमाणं दीवद्दीसायाराउन्नि १२ नईदहघणथणियागणि जिणाइनरजम्ममरण
कालाई पणयाललरकजोयण नरखित्तं मुत्तुनो पुरउ १३ अंतरदीवपमाणं पमाणसवेवि[illegible]
सिंवुछामि वासाईनत्थितेहिं एवंमणुत्तरबाहिं १४ समयावलीमुहुत्ता दीहामासाइकालव
वहारो तंपियसमयखेत्तं समासमणि उजिणाणाए १५ पन्नरस[illegible]सयछपन्ना ऽन्निसमुद्दाय
लरकपणयालं एयंखेत्तसमासं झाईयासम्मदिठीए १६ इतिश्री खेत्रसमाससमाप्तं ॥ सं।।१८
७६ वर्षे माघ शुद्दिनं दतिथौ सूरति बिंदिरे लिपिकृतं पवना धंन्नाजरास्ती ।। श्रेयोस्तु ।। श्री:

मु

MEMORIAL